Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सायं 5:20 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में शुक्रवार
सुबह 6:34 बजे

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ



हल्द्वानी | वर्ष 19 अंक 130 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | गुरुवार, 12 नवंबर 2026

टॉक्सिक में इंटीमेट सीन देकर...पेज-3 पर

News कॉर्नर

आज से शुरू होगी बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद करने की प्रक्रिया

चमोली। बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की प्रक्रिया बृहस्पतिवार 12 नवंबर से शुरू हो जाएगी। मंदिर के कपाट 16 नवंबर को रात 9 बजकर 37 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इससे पहले मंदिर में पंच पूजाएं संपन्न कराई जाएंगी। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि पंच पूजाओं के तहत बृहस्पतिवार को गणेश मंदिर के कपाट बंद किए जाएंगे। 13 नवंबर को आदि केदारेश्वर और आदि गुरु शंकराचार्य मंदिर के कपाट बंद होंगे। 14 नवंबर को खड्ग-पुस्तक पूजन के साथ वेद ऋचाओं का वाचन बंद कर दिया जाएगा। कपाट बंद किए जाने के अंतिम तीन दिनों तक गुप्त मंत्रों से भगवान बदरीविशाल की पूजा-अर्चना की जाएगी। उन्होंने बताया 15 नवंबर को माता लक्ष्मी को भोग अर्पित कर भगवान बदरीविशाल के दरबार में आने का निमंत्रण दिया जाएगा।

लेह में दून के लाल लेफ्टिनेंट कर्नल प्रभाकर थापा ने दिया बलिदान

देहरादून। उत्तराखंड ने देश की रक्षा में अपना एक और वीर सपूत खो दिया। सेना के अधिकारी के निधन की खबर मिलते ही देहरादून के नागनाथ क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार का सेना से पुराना नाता रहा है। देहरादून के नागनाथ क्षेत्र के निवासी और भारतीय सेना की प्रतिष्ठित 5/3 गोरखा राइफल्स के अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रभाकर थापा लेह में देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए हैं। उन्होंने 9 नवंबर 2026 की शाम लगभग 7:15 बजे ड्यूटी के दौरान अंतिम सांस ली। उनके बलिदान की खबर से शोक की लहर दौड़ गई है। वर्ष 1984 में जन्मे प्रभाकर थापा को देश सेवा की प्रेरणा अपने परिवार से ही मिली थी। उनके पिता निर्मल थापा भारतीय सेना से हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हैं। प्रभाकर थापा ने स्कूली शिक्षा कैम्ब्रियन हॉल स्कूल से की थी, जहां वे 2002 बैच के छात्र रहे। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने सीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण की और दिसंबर 2006 को सेना की तीसरी गोरखा राइफल्स में कमीशन प्राप्त किया।

पहली बार चारधाम यात्रा के बाद शीतकालीन दर्शन के लिए भी होगा पंजीकरण

चमोली/देहरादून

हमारे संवाददाता



कपाट बंद होने के बाद भी श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर सकेंगे। शीतकाल में देवताओं की पूजा उनके प्रवास स्थलों पर होती है। अब इस यात्रा को व्यवस्थित करने और श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड तैयार करने के लिए नई व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है।

चारधाम यात्रा की तर्ज पर अब शीतकालीन यात्रा के लिए पंजीकरण व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। इससे यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की जानकारी पर्यटन व प्रशासन के पास होगी और शीतकाल यात्रा का डाटा तैयार होगा। चारधाम यात्रा में गंगोत्री, यमुनोत्री व केदारनाथ धाम के कपाट बंद हो गए हैं।

16 नवंबर को बदरीनाथ के कपाट बंद होने के साथ ही यात्रा छह माह के लिए स्थगित हो जाएगी। शीतकाल में चारधामों की पूजा-अर्चना प्रवास स्थलों पर होती है, जहां पर श्रद्धालु पूजा-अर्चना व दर्शन कर सकेंगे। बाबा केदार की पंचमुखी डोली ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान होती है। जबकि गंगोत्री की मुखबा, यमुनोत्री की खरसाली और भगवान बदरीविशाल के कपाट बंद होने के बाद शंकराचार्य की गद्दी नृसिंह मंदिर ज्योर्तिमठ और उद्धव जी की पांडुकेश्वर में पूजा-अर्चना होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 8 दिसंबर 2024 को ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ शीतकालीन यात्रा की शुरूआत की थी। वर्ष 2024 में 73 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने चारधामों के प्रवास स्थलों पर दर्शन किए जबकि 2025 में 50 हजार से अधिक श्रद्धालु आए।

पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल ने बताया कि चारधाम यात्रा के बाद प्रदेश में शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा दिया जाएगा। शीतकालीन यात्रा के लिए पंजीकरण की व्यवस्था बनाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि चारधाम यात्रा की तुलना में शीतकालीन यात्रा में भीड़ कम होती है। इसे देखते हुए पंजीकरण अनिवार्य नहीं होगा। इस व्यवस्था से सुरक्षा के लिहाज से श्रद्धालुओं की जानकारी व डाटा तैयार होगा।

रातभर पड़े रहे शव, सुबह मिली सूचना

अल्मोड़ा: गहरी खाई में गिरी बोलेरो, मां-बेटी समेत तीन मरे

अल्मोड़ा

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा जिले के सेराघाट-पिथौरागढ़ मोटर मार्ग पर हरड़ा के पास बुधवार देर रात एक बोलेरो मैक्स अनियंत्रित होकर करीब 400 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में मां-बेटी और वाहन चालक की मौत हो गई। तीनों हरड़ा गांव के निवासी थे।

अल्मोड़ा जिले के सेराघाट-पिथौरागढ़ मोटर मार्ग पर हरड़ा के पास बुधवार देर रात एक बोलेरो मैक्स अनियंत्रित होकर करीब 400 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में मां-बेटी और वाहन चालक की मौत हो गई। तीनों हरड़ा गांव के निवासी थे। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है।

जानकारी के अनुसार, मां-बेटी भाई दूज मनाने के लिए पिथौरागढ़ गई थीं। बुधवार देर रात दोनों बोलेरो से वापस गांव लौट रही थीं। इसी दौरान हरड़ा के पास वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। रात में हादसे की जानकारी किसी को नहीं मिल सकी। गुरुवार सुबह राहगीरों ने सड़क से नीचे खाई में दुर्घटनाग्रस्त वाहन देखा और पुलिस को सूचना दी। सुबह करीब नौ बजे सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। खाई काफी गहरी होने के कारण शवों को बाहर निकालने में टीम को मशक्कत करनी पड़ रही है। हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा है।



दुःखद

सेना के ट्रक की चपेट में आया आठ वर्षीय मासूम, मौत

पिथौरागढ़। टनकपुर-तवाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुलतड़ी के पास आठ वर्षीय ईश्वर सिंह निवासी कालिका की बाइक से छिटककर सेना के ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। दर्दनाक सड़क हादसे जिसमें आठ वर्षीय मासूम ईश्वर सिंह निवासी कालिका की मौत हो गई। धारचूला से कालिका जा रहा बच्चा बाइक से छिटककर सेना के ट्रक की चपेट में आ गया।

मौसम: तीन पर्वतीय जिलों में बारिश और बर्फबारी के आसार मैदानी इलाकों में रहेगा शुष्क

देहरादून

हमारे संवाददाता

नवंबर में पहाड़ों में ठंड का असर बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने अगले पूर्वानुमान में तीन पर्वतीय जिलों के लिए बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना जताई है। मैदानी जिलों में फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा।

मौसम विज्ञान केंद्र ने आज 12 नवंबर के लिए राज्य का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार राज्य के पर्वतीय जिलों में मौसम करवट ले सकता है, जबकि मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क बना रहेगा। तीन जिलों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली जनपदों में कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 3200 मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी भी हो सकती है। राज्य के शेष जनपदों में मौसम पूरी तरह शुष्क रहने के आसार हैं। विभाग ने कल के लिए किसी भी तरह की मौसम चेतावनी जारी नहीं की है। राजधानी देहरादून में सुबह के समय आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। हालांकि, दोपहर और शाम के समय आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। देहरादून का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेंटीग्रेड के आसपास रहने का अनुमान है।



थत्यूड़ में सीएम धामी ने किया तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव का शुभारंभ

टिहरी/देहरादून

हमारे संवाददाता

आज थत्यूड़ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने थत्यूड़ पहुंचकर तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार टिहरी झील क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। क्षेत्र में साहसिक पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिवाड़ गांव को पर्यटन ग्राम घोषित कर क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है, जिससे स्थानीय लोगों को स्वरोजगार और रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने बताया कि पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के लिए कद्दूखाल में करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से वाहन पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा है। इससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आवागमन एवं पार्किंग की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

कैंची धाम के पास खाई में गिरी कार, चालक की मौत, चार घायल

नैनीताल

हमारे संवाददाता





नैनीताल जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कैंची धाम के पास निगलाट क्षेत्र में बरेली के पांच युवकों से भरी एक स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी।

हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद चारों घायलों को खाई से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, 12 नवंबर 2026 की मध्यरात्रि नैनीताल आपदा कंट्रोल रूम को कैंची धाम के समीप निगलाट क्षेत्र में वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। बताया गया कि उत्तर प्रदेश के बरेली नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे के समय कार में कुल पांच लोग सवार थे और सभी बरेली के रहने वाले थे। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट खैरना से उप निरीक्षक देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। दुर्गम खाई और रात का अंधेरा होने के बावजूद जवानों ने स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बनाकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। टीम ने काफी मशक्कत के बाद चार घायलों को खाई से सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद सभी को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवाली पहुंचाया गया, जहां उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया। रेस्क्यू अभियान के दौरान एक युवक की मौत होने की पुष्टि हुई। मृतक की पहचान 29 वर्षीय अनुज तिवारी पुत्र लक्ष्मी नारायण तिवारी, निवासी ग्राम शेखपुर, बरेली के रूप में हुई है। वह दुर्घटनाग्रस्त कार चला रहा था। एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव भी खाई से बाहर निकाला और आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

दुर्घटना में घायल चार युवकों की पहचान सनी (23 वर्ष), पुत्र तेजराम, निवासी ग्राम मिल कॉपर, बरेली; रवि, पुत्र दिनेश मौर्य, निवासी बरेली; संचित, पुत्र हृदय नारायण तिवारी, निवासी ग्राम शेखपुर, बरेली और संदीप शर्मा, पुत्र रामकुमार शर्मा, निवासी बरेली के रूप में हुई है। फिलहाल हादसे के कारणों की जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। देर रात हुए इस हादसे ने एक बार फिर पहाड़ी सड़कों पर वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की जरूरत को उजागर कर दिया है।

पितृछाया से वंचित बालिकाओं की शिक्षा हेतु नैनीताल का समाज एकजुट

नैनीताल

हमारे संवाददाता



किसी भी बच्ची के सपनों को उसकी पारिवारिक अथवा आर्थिक परिस्थितियों के कारण रुकना नहीं चाहिए। इसी भावना को साकार करने की दिशा में हिलट्रेक सोसाइटी फॉर एजुकेशन एनवायरनमेंट एंड एनर्जी द्वारा सीआरएसटी इंटर कॉलेज नैनीताल में बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बता दें कार्यक्रम का मकसद नैनीताल नगर के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत उन बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाना था जो अपने पिता अथवा माता-पिता दोनों के स्नेह एवं संरक्षण से वंचित हैं। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी नैनीताल विवेक राय द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर नैनीताल नगर के प्रमुख व्यवसायी, शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के शुरुआत में सोसाइटी के फ ाउंडर मेंबर वैभव जोशी (आईआईटी बीएचयू वाराणसी) ने संस्था द्वारा वर्तमान में संचालित सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी दी। सोसाइटी के फ ाउंडर मेंबर कुशाग्र जोशी (आईआईटी गुवाहाटी) का भी संस्था की गतिविधियों एवं शैक्षिक उद्देश्यों में महत्वपूर्ण योगदान है। इसके पश्चात सोसाइटी की को-फ ाउंडर सुश्री अंकिका ने संस्था की भविष्य की योजनाओं एवं बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रस्तावित कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

एलपीएस इंटर कॉलेज नैनीताल के प्रधानाचार्य भुवन चंद्र त्रिपाठी द्वारा चार विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने की घोषणा की गई। बिड़ला विद्या मंदिर द्वारा 6 विद्यार्थियों के लिए तथा नैनीताल के प्रमुख होटल व्यवसायी आशीष बजाज द्वारा पाँच छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति की घोषणा की गई।इसी क्रम में प्रमुख व्यवसायी मारुति नंदन साह द्वारा दस बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने की घोषणा की गई साथ ही उन्होंने आगामी शैक्षणिक सत्र में भी इस पुनीत कार्य को निरंतर सहयोग देने के उद्देश्य से एक लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान करने की घोषणा की।

इसी तरह तल्लीताल के प्रमुख व्यवसायी एवं आज़ाज कलेक्शन के स्वामी अमनदीप सिंह ने भी बालिकाओं की शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने की घोषणा करते हुए प्रतिवर्ष दस छात्राओं को निःशुल्क विद्यालयी यूनिफॉर्म मुहैया कराने का संकल्प लिया। इस प्रकार विभिन्न व्यक्तियों एवं शिक्षण संस्थानों द्वारा कुल 25 विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की घोषणाएं की गईं।

इसी तरह नैनीताल की प्रमुख समाजसेवी कविता गंगोला ने इस अवसर पर अपने सामाजिक कार्यों एवं पूर्व में विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता के अनुभव साझा किए। वहीं नैनीताल के प्रमुख चिकित्सक डॉ. अभिनव गंगोला ने इन बालिकाओं के स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए घोषणा की कि इनकी विद्यालयी शिक्षा पूर्ण होने तक प्रत्येक वर्ष नियमित दंत परीक्षण तथा दाँतों से संबंधित सभी आवश्यक उपचार निःशुल्क किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शेरवुड कॉलेज के प्रधानाचार्य अमनदीप संधू का विशेष योगदान रहा। उनके द्वारा कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया तथा बच्चों के लिए आवश्यक वस्तुएँ भी मुहैया कराई गईं। इसी क्रम में रामा मॉन्टेसरी स्कूल की संस्थापक नीलू एलन्स द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई।कार्यक्रम में नैनीताल के प्रथम आईटी उद्यमी विनय साह, नैनीताल समाचार के संपादक राजीव लोचन साह, प्रमुख होटल व्यवसायी आलोक साह सहित नगर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सोसाइटी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन की ओर से भी इस पुनीत कार्य में हरसंभव सहयोग प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीआरएसटी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मनोज पांडे का विशेष योगदान रहा। संचालन हेमंत बिष्ट ने किया।कार्यक्रम की सफलता में पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार के वरिष्ठ अध्यापक अजय रावत समेत नवीन जोशी, विनोद जोशी व मंजुलता कोहली का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।कार्यक्रम के समापन अवसर पर आलोक जोशी व सुनीता जोशी ने सभी का आभार जताया।



प्रकृति प्रेमी गुरुरानी ने बहन डा.ममता के साथ मिलकर लगाया भैया दूज पौध

नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड क्रांति दल अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष व राज्य निर्माण सेनानी दिनेश गुरुरानी द्वारा राज्य में चलाया जा रहा अनूठा पौधारोपण अभियान बुधवार को 849वें दिन भी जारी रहा।

पौधारोपण अभियान के 849वें दिन भैया दूज के पावन पर्व पर दिनेश गुरुरानी व उनकी बहन डॉ ममता उपाध्याय ने भैया दूज पौध लगाया। डा.ममता उपाध्याय ने कहा कि वह प्रकृति संरक्षण के लिए पौधारोपण करते रहती हैं और आज इस पावन पर्व पर पौधारोपण करने का उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ। कहा कि प्रकृति संरक्षण के इस मुहिम में सभी को जुड़ना चाहिए।

कार्यक्रम में लीलावती गुरुरानी, डॉ आनंद उपाध्याय, डॉ केतन उपाध्याय, अभिषेक उपाध्याय तथा हर्षित गुरुरानी उपस्थित रहे दूसरी ओर दिनेश गुरुरानी ने कहा कि उनका पौधारोपण अभियान जारी रहेगा।

लेक सिटी वेलफेयर क्लब जुटी ड्रेस वितरण कार्यक्रम की तैयारियों में

नैनीताल

हमारे संवाददाता

लेक सिटी वेलफेयर क्लब की बैठक बुधवार को क्लब के अध्यक्ष कविता त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में तय किया गया कि 17 नवंबर (मंगलवार) को चेतराम शाह इंटर कॉलेज में क्लब द्वारा 50 छात्रों को ड्रेस वितरित की जाएगी।

बैठक में क्लब की सचिव डॉ. प्रगति जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रेमा अधिकारी को संयोजक और दीपिका बिनवाल तथा कविता गंगोला को सह संयोजक बनाया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शेरवुड कॉलेज के प्रधानाचार्य अमनदीप संधू होंगे। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि कलब सामाजिक, धार्मिक व रचनात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पिछले 17 साल से बढ़ चढ़कर भागीदारी करता रहा है। उन्होंने कहा कि कलब द्वारा नगर में हर वर्ष एक स्कूल को गोद लिया जाता रहा है। कार्यक्रम की तैयारी बैठक में हेमा भट्ट, जीवंती भट्ट, रानी शाह, दीपा पांडे, गीता शाह, मंजू बिष्ट, रेखा त्रिवेदी, मीनाक्षी कीर्ति, सविता कुलौरा, दया कुंवर, रमा भट्ट, रमा लोहनी, ज्योति खैडियाल, विनीता पांडे, आभा शाह, अमिता शाह, तुसी शाह, मानसी गर्ग, जूही अग्रवाल, मधुमिता, डॉ. पल्लवी तथा तनु सिंह आदि सदस्य उपस्थित थे।



NEWS / फटाफट

नैनीताल में सड़क किनारे खड़े 50 वाहनों के चालान

नैनीताल । हनुमानगढ़ी से नैनीताल तक सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया। बुधवार को पुलिस ने सड़क किनारे खड़े 50 वाहनों के चालान किए। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यातायात व्यवस्था बाधित करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अब प्रतिदिन कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि बीते दिनों हनुमानगढ़ी क्षेत्र में सड़क पर ड्रेमरीकरण के दौरान किनारे खड़े वाहनों के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था। इस पर संबंधित विभाग ने पुलिस से सहयोग मांगा था। इसके बाद पुलिस ने मुनादी कर वाहन स्वामियों को सड़क किनारे पार्किंग नहीं करने की हिदायत दी थी। पुलिस की कार्रवाई के बाद कुछ दिनों तक सड़क किनारे वाहन खड़े नहीं हुए लेकिन दीपावली के बाद फिर से बेतरतीब पार्किंग शुरू हो गई। इससे यातायात प्रभावित होने लगा। स्थिति को देखते हुए तल्लीताल पुलिस ने बुधवार को दोबारा अभियान चलाया। इस दौरान हनुमानगढ़ी से नैनीताल तक सड़क किनारे खड़े वाहनों के चालान किए गए। कोतवाल हरपाल सिंह ने बताया कि अभियान के तहत 50 वाहनों के चालान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क पर यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए अब रोजाना अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

भैया दूज पर सुरक्षा को लेकर अलर्ट रही नैनीताल पुलिस

नैनीताल । भैया दूज पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था और यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए नैनीताल पुलिस अलर्ट रही। एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देश पर बुधवार को जिलेभर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। इसके अनुपालन में थाना पुलिस, यातायात पुलिस व सीपीयू और बीडीएस की संयुक्त टीमें चेकिंग में जुटी रहीं। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की। वहींए यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रमुख मार्गों और चौराहों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। बीडीएस टीम ने भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा मानकों की जांच कर सतर्कता बरती। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। साथ ही किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

नैनापीक के जंगलों का चप्पा-चप्पा छाना, छठे दिन भी नहीं मिला युवक का सुराग

नैनीताल

हमारे संवाददाता

दोस्तों के साथ नैनीताल घूमने आया युवक अर्णव कुमार सिंह (प्रिंस कुमार) बीते 6 दिन बाद भी लापता है। नैना पीक के घने जंगलों में पुलिस और बचाव दलों ने चप्पा चप्पा छान मारा लेकिन युवक का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बुधवार को छठे दिन भी पुलिस, एसडीआरएफ , वन विभाग व डॉग स्क्वॉड और ड्रोन टीमों का संयुक्त सर्च अभियान जारी रहा। दिनभर जंगल के दुर्गम और संवेदनशील इलाकों में तलाश की गई लेकिन टीमों को निराशा ही हाथ लगी।

जानकारी के अनुसार बिहार के मुंगेर जिले के पहरपुर निवासी अर्णव कुमार सिंह भीमताल स्थित ग्राफिक एरा कॉलेज का छात्र है। 6 नवंबर को वह अपने दोस्तों के साथ नैनीताल घूमने आया था। इस दौरान चारों दोस्त चीना पीक की ट्रैकिंग पर निकले थे। शाम करीब पांच बजे अर्णव अचानक अपने साथियों से बिछड़ गया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद से ही पुलिस और बचाव दल जंगल में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। घने जंगलए ऊबड़.खाबड़ रास्तों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में जवानों ने पैदल कम्बिंग की। वहींए ड्रोन कैमरों की मदद से उन स्थानों की निगरानी की गई जहां पहुंचना मुश्किल है। डॉग स्क्वॉड को मदद से भी संभावित रास्तों और जंगल के विभिन्न हिस्सों को खंगाला गया। एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देश पर एसपी डॉ. जगदीश चंद्र के मार्गदर्शन और सीओ अंजना नेगी के पर्यवेक्षण में अभियान चलाया जा रहा है। मल्लीताल कोतवाली प्रभारी राजेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में पुलिस की टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं। 6 दिन से चल रहे व्यापक अभियान के बावजूद युवक का पता नहीं चलने से परिजनों और परिचितों की चिंता बढ़ती जा रही है। फिलहाल संयुक्त सर्च अभियान जारी है।

नैनीताल में एक दिन में 11 लोगों को काटा कुत्तों ने

नैनीताल । नैनीताल शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बुधवार को एक ही दिन में 11 लोग कुत्तों के हमले में घायल होने के बाद उपचार के लिए राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में सभी घायलों को प्राथमिक उपचार देने के साथ एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई।

बता दें कि सामान्य दिनों में भी शहर में औसतन चार से पांच लोग प्रतिदिन कुत्तों के काटने के बाद उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचते हैं लेकिन दीपावली के बाद इन मामलों में अचानक बढ़ोतरी देखने को मिली है। बुधवार को अलग अलग क्षेत्रों से 11 लोग डॉग बाइट के बाद अस्पताल पहुंचे। बुधवार को बीडी पांडे अस्पताल में नैनीताल व आसपास क्षेत्र के तारा तिवारी, अजहर, पहर, सुनील कुमार,चन्नु, सुप्रिया, जान्हवी, प्रेमा देवी,गौरव, गणेश व देवकी देवी एंटी रेबीज लगाने पहुंचे। पीएमएस डॉ दीपदी गर्बियाल ने बताया कि घायलों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

फास्टफूड और कोल्डड्रिंक की बढ़ती लत युवाओं के लीवर पर पड़ रही भारी

नैनीताल

हमारे संवाददाता

बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतें युवाओं की सेहत पर भारी पड़ रही हैं। फास्टफूड व जंकफूड और कोल्डड्रिंक का बढ़ता चलन लीवर की सेहत को प्रभावित कर रहा है। कम उम्र में ही युवाओं में फैटी लीवर की समस्या देखने को मिल रही है। खानपान में अनियमितताए अत्यधिक कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों का सेवन और शारीरिक गतिविधियों में कमी इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

बीडी पांडे अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एमएस दुग्ताल ने बताया कि असंतुलित खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली के कारण लीवर में अतिरिक्त वसा जमा होने लगती है। शुरुआत में इसके लक्षण स्पष्ट दिखाई नहीं देतेए लेकिन समय के साथ यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है। फैटी लीवर की अनदेखी करने पर लीवर में सूजन और फाइब्रोसिस जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि युवाओं को नियमित रूप से फास्टफूडए तली.भुनी चीजों और मीठे पेय पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए। भोजन में हरी सब्जियां व फल और पौष्टिक आहार शामिल करने के साथ नियमित व्यायाम और पैदल चलने की आदत डालनी चाहिए। वजन नियंत्रित रखना भी जरूरी है। समयसमय पर स्वास्थ्य जांच कराने से बीमारी की पहचान शुरुआती चरण में की जा सकती है। बताया कि उनके पास रोजाना 20 से 30 मरीज फैटी लीवर की समस्या लेकर पहुंचते हैं। जिनको उपचार के साथ जरूरी सलाह दी जा रही है।

चिंता

- कम उम्र में फैटी लीवर की समस्या के मामले बढ़ने की आशंका -खानपान में लापरवाही

अभिमत

सवाल पर सवाल?

उत्तराखंड राज्य अब युवा हो गया है। 9 नवंबर, 2000 के बाद जन्म लेने वाले लाखों बच्चे अब युवा हो चुके हैं। राज्य की रजत जयंती मनाई जा चुकी है। राज्य के लोग खुद से सवाल पूछ रहे हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि आंदोलनकारियों की अवधारणा को क्या युवा राज्य मूर्तरूप दे सका है? दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उत्तराखंड में शासन करने वाले नेता और कार्यकर्ता खुद से यह सवाल पूछें कि पर्वतीय क्षेत्र का पिछड़ापन दूर हुआ या नहीं? रोजी-रोटी के लिए युवाओं का पलायन रुका या नहीं? इन सवालों का जवाब राज्य का हर व्यक्ति पूछ रहा है।

उत्तराखंड राज्य का स्थापना दिवस हर साल मनाया जाता है, लेकिन रजत जयंती के बाद स्थापना दिवस पर लेखाजोखा किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'देवभूमि रजतोत्सव' की शुरूआत नई दिल्ली में उत्तराखंड सदन में की थी। दिल्ली में रहने वाले और विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत उत्तराखंड मूल के अधिकारियों, कर्मचारियों व प्रवासियों की भागीदारी सुनिश्चित की थी। सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करना उचित है, लेकिन पृथक पर्वतीय राज्य के गठन के उद्देश्यों की समीक्षा जरूर की जानी चाहिए। पर्वतीय क्षेत्र के पिछड़ा होने के कारण ही अलग राज्य की मांग के लिए वर्षों तक आंदोलन किया गया। योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए 25-26 वर्ष कम नहीं होते हैं। उत्तराखंड राज्य अब युवा हो गया है। 9 नवंबर, 2000 के बाद जन्म लेने वाले लाखों बच्चे अब युवा हो चुके हैं। आंदोलनकारियों की अवधारणा को क्या युवा राज्य मूर्तरूप दे सका है? दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उत्तराखंड में शासन करने वाले नेता और कार्यकर्ता खुद से यह सवाल पूछें कि पर्वतीय क्षेत्र का पिछड़ापन दूर हुआ या नहीं? रोजी-रोटी के लिए युवाओं का पलायन रुका या नहीं? इन सवालों का जवाब उत्तराखंड का हर व्यक्ति पूछ रहा है। यह जरूर है कि राज्य की तस्वीर में बदलाव हुआ है। नौकरशाही व राजनीति से जुड़े लोगों का विकास हुआ है। कटु सत्य यह है कि उत्तराखंड के जनमानस का आशा के अनुरूप विकास नहीं हुआ। पृथक राज्य उत्तराखंड के लिए आंदोलन किसी राजनीतिक दल ने नहीं किया था। आंदोलन में बच्चे से लेकर वृद्ध, रोजगार से जुड़ी महिलाओं से लेकर गृहिणी, छात्र-छात्राएं, पूर्व सैनिक, व्यापारी, निजी क्षेत्र के अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे। लम्बे अर्से तक कर्फ्यू लगाना पड़ा था। गोली कांड में कई लोगों की जान तक गई। जनआंदोलन का रूप लेने पर केन्द्र सरकार को पृथक राज्य गठन के लिए मजबूर होना पड़ा। राज्य में देश के बड़े उद्योग समूहों ने इकाइयां स्थापित कीं। तराई में औद्योगिक आस्थान स्थापित होने से लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिला। उद्योगों में रोजगार करने के लिए पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं को पलायन करना पड़ा। पलायन से पर्वतीय क्षेत्र और अधिक बदहाल हो गया।

अधिकारों की लड़ाई को सड़क पर उतारने की हुंकार

2027 के चुनाव में प्रत्याशी उतारेगी पीपुल्स पार्टी

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

रोजगार की तलाश में भटकते नौजवान, मेहनत के बावजूद हक से वंचित मजदूर और फसल का उचित मूल्य पाने को जूझते किसान... इन सवालों को लेकर पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) ने हल्द्वानी में महागर्जना रैली निकालकर सरकार के सामने अधिकारों की लड़ाई का बिगुल फूंका।

रैली के माध्यम से पार्टी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान को उसकी मूल भावना के अनुरूप लागू करने, सामाजिक न्याय, समानता और रोजगार की गारंटी देने की मांग उठाई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. केपीएस चौहान ने कहा कि मजदूर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं और किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने को परेशान हैं। महिलाओं को भी सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। सरकार को इन समस्याओं पर ठोस कदम उठाने चाहिए। रैली में श्रमिकों के लिए उचित मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा, युवाओं को स्थायी रोजगार, किसानों



को फसलों का वाजिब मूल्य तथा महिलाओं को सुरक्षा और समान अवसर देने की मांग की गई। गरीब, शोषित और वंचित वर्गों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय दिलाने पर भी जोर दिया गया।

पार्टी ने आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी अपना राजनीतिक इरादा साफ कर दिया। घोषणा की कि पार्टी योग्य, शिक्षित और सामाजिक सरोकारों से जुड़े प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारेगी। रैली के जरिए पार्टी ने संविधान में विश्वास रखने वाले लोगों और सामाजिक संगठनों से एकजुट होकर अधिकारों की आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

इस दौरान प्रदेश संगठन सचिव एडवोकेट गंगा प्रसाद, प्रदेश महासचिव चंदन मूलनिवासी, जिलाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण, महानगर अध्यक्ष इरशाद अंसारी, महानगर सचिव खलीकुर रहमान, मनोज गुप्ता, हरीश आर्या, सुंदर बौद्ध, किशन चन्द्रा, दीपक चनयाल और मनोज कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अस्कोट के लोगों ने निकाला मशाल जुलूस

पिथौरागढ़। क्षेत्र के लोगों ने अस्कोट को नगर पंचायत का दर्जा देने, स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकरण, बदहाल सड़कों के सुधारीकरण सहित 13 सूत्री मांगों पर कस्बे में मशाल जुलूस निकाला।

अस्कोट विकास संघर्ष समिति के बैनर तले क्षेत्र लोगों ने मंगलवार रात कस्बे में मशाल जुलूस निकाला। लोगों ने कहा कि जब तक क्षेत्र की समस्याओं का समाधान नहीं होता आंदोलन जारी रहेगा। बुधवार को लोगों ने रामलीला मैदान में धरना देते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपना नाम राजेश पी से बदलकर राजेश रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे राजेश नाम से जाना पहचाना जाए।
-राजेश पी पुत्र श्री प्रतिबन, निवासी सेंट थेरेसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चर्च कंपाउंड काठगोदाम नैनीताल उत्तराखंड

पूर्व विधायक डा.जंतवाल के निधन पर हुई श्रद्धांजलि सभा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल विधानसभा के पूर्व विधायक डॉ. नारायण सिंह जंतवाल के आकस्मिक निधन पर रामलीला स्टेज मल्लीताल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।

बता दें उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा का संचालन वरिष्ठ उक्रांद नेता व अधिवक्ता प्रकाश पांडे ने किया । सभा में विभिन्न दलों के कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग, कई कर्मचारी समेत व्यापारी व संगकर्मी आदि मौजूद थे । वक्ताओं ने स्व. डॉ. नारायण सिंह जंतवाल के छात्र जीवन से लेकर अब तक के योगदान का स्मरण किया । वक्ताओं ने उन्हें उत्तराखंड का सच्चा हितैषी बताया तथा कहा कि उनके निधन से सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में शून्यता आई है ।

शोक सभा को पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल समेत पूर्व पालिकाध्यक्ष श्याम नारायण, मुकेश



जोशी, संजय कुमार सहित डॉ. सुरेश डालाकोटी, राजीव लोचन साह, अधिवक्ता त्रिभुवन सिंह फर्त्याल, उक्रांद नगर अध्यक्ष मनोज साह सहित अंबा दत्त बवाड़ी, कमलेश पांडे, मनोज जोशी नयना बुक डिपो, गिरीश जोशी, सुरेश लाल साह, प्रताप सिंह पडियार,दिनेश उपाध्याय, मिथिलेश पांडे, दिनेश भट्ट, इन्द्र नेगी, शाकिर अली, डी के शर्मा, सुषमा, सी पी धुसिया, किशन सिंह नेगी, त्रिभुवन सिंह फर्त्याल, मुन्नी तिवारी, रईस अहमद, कैलाश जोशी, विशन सिंह मेहता, पान सिंह सिजवाली, विनोद कुमार, खीम सिंह, विजय पंत, सज्जन साह, मदन सिंह मेहरा, चन्द्र प्रकाश साह, बीरेंद्र जोशी, बी एस बिष्ट सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग मौजूद थे ।

फिल्मी दुनिया

कियारा आडवाणी: टॉक्सिक में इंटीमेट सीन देकर घिरी थीं अभिनेत्री



बॉलीवुड में शादी के बाद अभिनेत्रियों के ऑनस्क्रीन किरदारों और उनके फैसलों को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासकर जब कोई अभिनेत्री शादी और मां बनने के बाद पर्दे पर बोल्ड या इंटीमेट सीन करती है, तो उसे सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही कुछ कियारा आडवाणी के साथ भी हुआ, जब फिल्म टॉक्सिक में यश के साथ उनके इंटीमेट सीन को लेकर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया। अब अभिनेत्री ने इस पूरे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि इस मामले पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा का क्या रिएक्शन था। कॉफी विद करण सीजन 9 में सिद्धार्थ के साथ पहुंचीं कियारा ने बताया कि शादी और मां बनने के बाद फिल्म में उनके ऑनस्क्रीन चुनावों को लेकर इंटरनेट पर कई तरह के सवाल उठाए गए थे। कियारा ने साफ किया कि सोशल मीडिया पर हो रही बातों से सिद्धार्थ को कोई फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने इस मुद्दे को कभी परेशानी नहीं माना और न ही इस बारे में उनसे कोई सवाल किया। अभिनेत्री ने कहा, उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। उन्होंने कभी इस बारे में बात नहीं की। हमने इस पर कभी चर्चा भी नहीं की। इसका उन पर कोई असर नहीं पड़ा और वह बिल्कुल भी परेशान नहीं थे।

ऑनलाइन हुई ट्रोलिंग

सोशल मीडिया पर हुई आलोचना को लेकर कियारा ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं को इस तरह की बातों का सामना दशकों से करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, यह कई वर्षों से, दशकों से होता आ रहा है। ऐश्वर्या से लेकर कई शानदार अभिनेत्रियों को इसका सामना करना पड़ा है। कियारा ने यह भी बताया कि उस समय उन्हें अपनी तरफ से कोई सफाई देने की जरूरत महसूस नहीं हुई, क्योंकि इंटरनेट पर कई लोग पहले ही इस दोहरे रवैये पर सवाल उठा रहे थे।

किशोर को मौत के घाट उतारने वाला हमलावर तेंदुआ पकड़ से बाहर

चंपावत

हमारे संवाददाता

नगर से लगे सुई पऊ के डुंगरी क्षेत्र में किशोर को मौत के घाट उतारने वाला हमलावर तेंदुआ अभी भी वन विभाग की पकड़ से बाहर है। वन विभाग ने आदमखोर तेंदुए को पकड़ने के लिए कई पिंजरे, ट्रैप कैमरे और लाइव कैमरे लगाए हैं लेकिन अभी तक तेंदुआ पकड़ से बाहर है। घटना के बाद से क्षेत्र के लोग डरे-सहमे हैं।

करीब एक सप्ताह पूर्व मेला देखकर घर को लौट रहे सुई डुंगरी के 13 वर्षीय किशोर हर्षित पुजारी पर हमला कर तेंदुए ने उसे मौत के घाट उतार दिया था। घटना के बाद से वन विभाग की टीम हमलावर तेंदुए को पकड़ने के लिए लगातार गश्त और सर्च अभियान चला रही है। रेंजर रमेश चंद्र जोशी ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में छह पिंजरे लगाए हैं। इसके अलावा तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 12 कैमरा ट्रैप और दो लाइव कैमरे भी लगाए गए हैं। विभाग की टीम लगातार जंगल और आसपास के क्षेत्रों में गश्त कर तेंदुए की तलाश में जुटी हुई है।

बताया कि तेंदुआ पिंजरे के आसपास नहीं आ रहा है। रेंजर जोशी ने बताया कि तेंदुआ प्रभावित क्षेत्र में लगाए गए पिंजरों को जरूरत के अनुसार शिफ्ट किया जा रहा है। चार दिन पूर्व तेंदुए की लोकेशन पातल के जंगल में मिली थी लेकिन इसके बाद उसकी कोई लोकेशन नहीं मिल पाई है। उन्होंने बताया कि वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रख रही है। अभियान में वन विभाग के रोहित सिंह मेहता, हिमांशु ढेक ,भुवन सिंह, अजयदीप टम्टा, अनीश सहित अन्य कर्मचारी जुटे हुए हैं।

News कॉर्नर

कुमाऊंनी भाषा के संरक्षण को अल्मोड़ा में राष्ट्रीय सम्मेलन

अल्मोड़ा। कुमाऊंनी भाषा, लोकसंस्कृति और क्षेत्रीय पहचान के संरक्षण के लिए अल्मोड़ा में 14 और 15 नवंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय कुमाऊंनी भाषा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कुमाऊंनी भाषा न्यास व पहरू कुमाऊंनी मासिक पत्रिका की ओर से नगर में होने वाले सम्मेलन में देशभर के साहित्यकार, भाषा प्रेमी, संगीतकार, अभिनेता, फिल्म निर्माता और सोशल मीडिया से जुड़े लोग हिस्सा लेंगे। नगर के एक होटल में प्रेस वार्ता कर डॉ. हयात सिंह रावत ने बताया कि सम्मेलन में कुमाऊंनी भाषा और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन में योगदान देने वाले 40 से 45 साहित्यकारों, कलाकारों और संस्कृति कर्मियों को विभिन्न सम्मानों से नवाजा जाएगा। इनमें बहादुर सिंह बनौला कुमाऊंनी साहित्य सेवी सम्मान, ज्योतिषाचार्य पं. जयदेव अवस्थी कुमाऊंनी भाषा सेवी सम्मान और वैद्य कल्याण सिंह बिष्ट कुमाऊंनी संस्कृति सेवी सम्मान प्रमुख हैं। इसके अलावा विभिन्न स्मृति साहित्य पुरस्कार और दिलीप सिंह खेतवाल स्मृति कर्मवीर पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। सात विधाओं में आयोजित लेखन योजनाओं के तहत 21 लेखकों को भी सम्मानित किया जाएगा।

बग्वाई कौतिक का शुभारंभ, लोकगीतों पर झूमे दर्शक

द्वाराहाट। कुमाऊं की समृद्ध लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक परंपराओं का प्रतीक बग्वालीपोखर का ऐतिहासिक बग्वाई कौतिक (बग्वाली मेला) मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। विधायक मदन सिंह बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य भूपाल भंडारी, चंद्रशेखर अधिकारी, युवा नेता आशुतोष शाही सहित जनप्रतिनिधियों और मेला समिति के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान पारंपरिक ओढ़ा भेंटने की रस्म भी निभाई गई। बग्वालीपोखर की ऐतिहासिक परंपरा के अनुसार भंडरगांव के धपान परिवार की ओर से दीवान सिंह भंडारी और थोकदार परिवार की ओर से राजेंद्र सिंह भंडारी के नेतृत्व में ओढ़ा भेंटने की रस्म पूरी की गई। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य रेनू भंडारी और ग्राम प्रधान लीला भंडारी भी मौजूद रहीं।

25 दिन से गैरसैंण की मांग पर फिर सुलगने लगी आंदोलन की चिंगारी

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता



जिस उत्तराखंड को पाने के लिए 43 लोगों ने अपनी जान कुर्बान कर दी और आंदोलनकारियों ने वर्षों तक संघर्ष किया, उसी राज्य की स्थायी राजधानी का सवाल आज भी अधूरा है। गैरसैंण को राजधानी बनाने की मांग अब एक बार फिर तेज होने लगी है। 18 अक्टूबर से बुद्ध पार्क में चल रहे अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन में गुरुवार को पहाड़ी आर्मी के पूर्व जिलाध्यक्ष मोहन कांडपाल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों पर हुई बर्बरता को भुलाया नहीं जा सकता। उत्तराखंड को हासिल करने के लिए लंबा संघर्ष और 43 शहादतें देनी पड़ीं। अब राज्यवासियों को अपने हक और पहाड़ के भविष्य के लिए दोबारा एकजुट होना होगा। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पूर्व आईएएस विनोद प्रसाद रतूड़ी ने कहा कि पिछले 25 दिनों से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लोग बुद्ध पार्क पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दे रहे हैं और अनशन में भागीदारी कर रहे हैं। लगातार मिल रहा जनसमर्थन इस संघर्ष को नई ताकत दे रहा है।

उत्तराखंड क्रांति दल के सैनिक प्रकोष्ठ के महामंत्री कैप्टन महेश तिवारी ने कहा कि राज्य का निर्माण पहाड़ की अस्मिता, अस्तित्व और संस्कृति की रक्षा के लिए हुआ था, लेकिन वर्षों बाद भी स्थायी राजधानी का सवाल अनसुलझा है। पहाड़ के खेत, किसान, गांव और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बचाना है तो गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाना ही होगा। शहीदों के सपनों को अब और अधूरा नहीं छोड़ा जाना चाहिए। आंदोलनकारियों ने कहा कि पलायन, बेरोजगारी और पर्वतीय क्षेत्रों की बदहाली जैसे मुद्दों पर राजनीतिक दलों से आगे बढ़कर आम जनता को एक मंच पर आना होगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से बुद्ध पार्क पहुंचकर आंदोलन को मजबूत बनाने की अपील की। इस दौरान प्रेमा मेर, कविता जीना, नीमा भट्ट, अंजू पांडेय, राजेंद्र कांडपाल, आनंद कन्याल, तारा पांडेय, मनोज रावत, देवेंद्र सालाकोट, रजत पाटनी, गोपाल दत्त कुमेड़ी, हिमानी पंडिय, ज्योतिष्मा पांडेय, कार्तिक दास, विनोद घड़ियाल समेत सैकड़ों आंदोलनकारी मौजूद रहे।

आशीमा गोयल संभालेंगी हल्द्वानी नगर आयुक्त की कुर्सी की कमान

परितोष वर्मा की काशीपुर विदाई, शासन के एक झटके में 30 अफसरों के कार्यक्षेत्र बदले

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

शासन की तबादला एक्सप्रेस चली तो हल्द्वानी नगर निगम की कमान भी बदल गई। शहर की प्रशासनिक व्यवस्था संभाल रहे नगर आयुक्त परितोष वर्मा को काशीपुर भेज दिया गया है, जबकि उनकी जगह आईएएस अधिकारी आशीमा गोयल हल्द्वानी की नई नगर आयुक्त होंगी।

11 नवंबर को जारी शासनादेश के तहत हुए इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल में 10 आईएएस और 20 पीसीएस समेत कुल 30 अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदल दी गई हैं।

ऊधमसिंह नगर में संयुक्त मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात आईएएस आशीमा गोयल (2022 बैच) को नगर निगम हल्द्वानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, यहां तैनात परितोष वर्मा को नगर आयुक्त, काशीपुर बनाया गया है। काशीपुर के नगर आयुक्त रविन्द्र सिंह बिष्ट को अपर जिलाधिकारी, बागेश्वर की जिम्मेदारी दी गई है।

तत्काल प्रभाव से लागू आदेश: कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-01 से जारी आदेश में सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच हुए इस फेरबदल में कई जिलों के मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, संयुक्त मजिस्ट्रेट और नगर आयुक्तों के कार्यक्षेत्र भी बदले गए हैं।

अब हल्द्वानी नगर निगम की नई कमान आशीमा गोयल के हाथों में होगी। शहर की सफाई, अतिक्रमण, विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं को लेकर उनके सामने नई चुनौतियां होंगी।


आशीमा गोयल
नगर आयुक्त, हल्द्वानी


परितोष वर्मा
नगर आयुक्त, काशीपुर

त्योहारों के बाद बस अड्डे और रेलवे स्टेशनों पर उमड़ा हुजूम

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

त्योहारों की खुशियां, अपनों के साथ बिताए सुनहरे पल और घर-आंगन की रौनक पीछे छोड़कर अब लोग फिर अपनी कर्मभूमि की ओर लौटने लगे हैं। दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज का उल्लास थमते ही हल्द्वानी के बस अड्डे और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का सैलाब उमड़ पड़ा है।

किसी के हाथ में सामान से भरा बैग है तो किसी की आंखों में अपनों से बिछड़ने की नमी। त्योहारों पर घर लौटे लोग अब रोजी-रोटी और नौकरी की जिम्मेदारियां निभाने के लिए अपने गंतव्य की राह पकड़ रहे हैं। इधर, बसों की कमी और ट्रेनों की देरी ने यात्रियों का इंतजार बढ़ा दिया है। पहाड़ से मैदान और मैदान से दूसरे शहरों की ओर जाने वाले यात्री घंटों बसों और ट्रेनों का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। वहीं, यात्रियों की भीड़ को देखते हुए टैक्सी चालकों की भी चांदी कट रही है। आरोप है कि कई जगह यात्रियों से मनमाने और महंगे किराये वसूले जा रहे हैं।



परेशानी

- अपनों से मिलन की खुशियां समेटकर लौटने लगे मुसाफिर

त्योहारों में घर गुलजार थे, अब सफर में स्टेशन आबाद हैं। अपनों से मिलने की खुशी के बाद बिछड़ने की घड़ी है, लेकिन पेट की खातिर हर मुसाफिर को फिर अपनी मंजिल की ओर बढ़ना है।

फास्टैग व्यवस्था को बताया डमी, नकद और क्यूआर से हो रही वसूली पर सवाल

नैनीताल
हमारे संवाददाता



नैनीताल शहर की मॉल रोड पर यातायात व्यवस्था सुधारने और टोल बैरियर पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए शुरू की गई फास्टैग व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है।

मामले में मां नयना देवी नैनीताल व्यापार मंडल के अध्यक्ष पुनीत टंडन ने आरोप लगाया है कि मॉल रोड पर फास्टैग के नाम पर केवल दिखावा किया जा रहा है। धरातल पर अब भी वाहनों से नकद, क्रेडिट कार्ड मशीन और कयूआर कोड के माध्यम से टोल वसूली की जा रही है। ऐसे में फास्टैग लागू करने का उद्देश्य ही पूरा नहीं हो रहा है।

टंडन ने कहा कि फ स्टैग व्यवस्था शुरू होने की जानकारी मीडिया में प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी, जिलाधिकारी, कुमाऊं आयुक्त और मुख्यमंत्री के सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठकों में भी इस व्यवस्था को जल्द प्रभावी ढंग से लागू करने पर चर्चा हुई थी। इसके बावजूद धरातल पर व्यवस्था का उपयोग होता नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय की ओर से यातायात प्रबंधन के लिए गठित हाई पावर्ड कमेटी में भी इस व्यवस्था का विषय उठाया गया था। कमेटी के सदस्य के रूप में उन्होंने फास्टैग लागू किए जाने की जानकारी से न्यायालय को अवगत कराने की बात कही। टंडन के अनुसार एचडीएफसी बैंक की ओर से नगरपालिका के टोल संग्रह के दौरान तीन स्थानों के लिए फ स्टैग उपकरण मुहैया कराए गए थे जो आज भी नगरपालिका के गोदाम में पड़े हैं। बाद में निजी टेंडर के माध्यम से व्यवस्था स्थापित करने की बात सामने आई लेकिन इसका प्रभावी इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा कि दिवाली की छुट्टियों के बाद पर्यटकों की आवाजाही के दौरान ही टोल बैरियर पर बोटलनेक की स्थिति सामने आ रही है। उन्होंने उच्च अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर फास्टैग व्यवस्था की वास्तविक स्थिति और प्रभावशीलता की जांच करने तथा इसे तत्काल प्रभावी ढंग से संचालित कराने की मांग की है।

आशा कार्यकर्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर दिया धरना

अल्मोड़ा। न्यूनतम वेतनमान को 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने सहित कई लंबित मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ताओं का सब्र का बांध बुधवार को टूट गया। हक की आवाज बुलंद करते हुए आशा कार्यकर्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर दिया और चौधानपाटा स्थित गांधी पार्क में बेमियादी धरने पर बैठ गईं। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

शिकंजा: नशे के इंजेक्शनों के साथ पकड़ा गया युवक

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

शहर की गलियों में नशे का जाल फैलाने वालों पर पुलिस की नजर है। इसी बीच देर रात आंवला गेट पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक युवक को नशीले इंजेक्शनों के साथ दबोच लिया। अंधेरे में संदिग्ध गतिविधियों के बीच पकड़े गए युवक के पास से दर्जन भर इंजेक्शन बरामद हुए।

बनभूलपुरा कोतवाल दिनेश सिंह फर्त्याल के नेतृत्व में बनभूलपुरा पुलिस टीम ने आंवला गेट प्रतीक्षालय के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के दौरान आफताब निवासी लाइन नंबर-18, वार्ड-25 को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से एक दर्जन नशे के इंजेक्शन बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा।

कार्रवाई करने वाली टीम में एस आई गगनदीप सिंह, कांस्टेबल मोहम्मद यासीन और कांस्टेबल महबूब अली। शामिल थे कोतवाल का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नशे के कारोबारी को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा

12 साल से इंसाफ की आस में पिता, सरकार के वादे भी बेअसर

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता



सात साल की मासूम बेटी की दर्दनाक हत्या को 12 साल गुजर गए, लेकिन पिता महेश चंद के हाथ आज भी इंसाफ की जगह सिर्फ इंतजार लगा है। अदालतों के फैसलों से लेकर सरकार के आश्वासनों तक, हर दरवाजे पर दस्तक देने के बाद भी परिवार की उम्मीदें अधर में हैं। अब सब्र का बांध टूटने लगा है। सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का वादा पूरा न होने पर पिता ने सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

नवंबर 2014 में पिथौरागढ़ निवासी महेश चंद अपनी सात वर्षीय बेटी कशिश के साथ रिश्तेदार की शादी में हल्द्वानी आए थे। 20 नवंबर को शीशमहल रामलीला मैदान में आयोजित शादी समारोह से कशिश अचानक लापता हो गई। पांच दिन बाद गौला नदी के जंगल क्षेत्र में उसका शव मिला। पोस्टमार्टम में दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई। घटना ने पूरे कुमाऊं को झकझोर दिया था। जगह-जगह बाजार, स्कूल और कॉलेज बंद कर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

फांसी की सजा से बरी होने तक पहुंचा मामला: पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार किया था। निचली अदालत और हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी को फांसी तथा सह-आरोपी को पांच साल की सजा सुनाई थी। लेकिन पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने जांच और साक्ष्यों में खामियों का हवाला देते हुए दोनों को बरी कर दिया। अदालत के मुताबिक अभियोजन पक्ष परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

एक साल पुराना वादा, कार्रवाई का अब भी इंतजार: सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पिथौरागढ़ में भारी आक्रोश भड़का था। नवंबर 2025 में राज्य सरकार ने परिवार को सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का भरोसा दिया था। मगर एक साल गुजरने के बावजूद परिवार को कोई ठोस कानूनी पहल दिखाई नहीं दी। 25 अक्टूबर को महेश चंद ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम ज्ञापन सौंपकर सरकार से जवाब मांगा।

महेश चंद ने सरकार को 20 नवंबर तक का अल्टीमेटम दिया है। उनका कहना है कि यदि निर्धारित समय तक पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो पिथौरागढ़ से जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

एक पिता की 12 साल लंबी लड़ाई अब आंदोलन की दहलीज पर है। सवाल यह है कि मासूम कशिश को इंसाफ दिलाने का वादा करने वाली सरकार आखिर कब जागेगी?